ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, बुधवार 17 जुलाई 2024
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

कश्मीर में शहीद हुए राजस्थान के जवानों का अंतिम संस्कार:आर्मी कैप पहनकर पिता ने बेटे को किया सैल्यूट;भाई को तिरंगे में लिपटा देख बहन बेहोश हुई

शहीद बिजेंद्र सिंह के बेटे विहान (4) को दादा रामजीलाल ने गोद में लेकर पिता के अंतिम दर्शन करवाए।

24 न्यूज अपडेट

जयपुर/झुंझुनूं. जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले में शहीद राजस्थान के झुंझुनूं जिले के 2 जवान अंतिम यात्रा पर हैं। एक जवान बिजेंद्र सिंह का अंतिम संस्कार कर दिया गया है, जबकि थोड़ी देर में शहीद अजय सिंह की अंत्येष्टि की जाएगी।शहीदों के सम्मान में स्थानीय लोगों ने उनके पार्थिव शरीर को लेकर तिरंगा यात्रा निकाली। इस यात्रा में भारी भीड़ उमड़ी। शहीद बिजेंद्र सिंह दौराता झुंझुनूं के सिंघाना थाना इलाके के खुबा की ढाणी (डुमोली कलां) के रहने वाले थे और अजय सिंह भी इसी इलाके में भैसावता कलां के रहने वाले थे। बिजेंद्र सिंह की पार्थिव देह जब उनके घर पहुंची तो उन्हें देखकर मां बिलख पड़ी। बिजेंद्र सिंह के बेटे ने अपने दादा की गोद में बैठकर पिता के अंतिम दर्शन किए। वहीं, शहीद अजय सिंह की पार्थिव देह देखकर पत्नी बेसुध हो गई। अजय सिंह के पिता ने आखिरी दर्शन करने के बाद आर्मी कैप पहनकर बेटे को सलामी दी। भाई को तिरंगे में लिपटा देखकर अजय सिंह की बहन बेहोश हो गई।

15 जुलाई को आतंकी हमले में शहीद हुए थे

डोडा जिले में डेसा जंगल के धारी गोटे उरारबागी में राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस सोमवार से ही सर्च ऑपरेशन चला रही थी। इस दौरान आतंकवादी फायरिंग करते हुए भागे। भारतीय सेना के जवानों ने उनका पीछा किया।

घना जंगल होने की वजह से आतंकी सुरक्षाबलों को चकमा देते रहे। सोमवार रात करीब 9 बजे फिर गोलीबारी हुई। इसमें बिजेंद्र सिंह और अजय सिंह समेत 5 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। बिजेंद्र और अजय सेना में राष्ट्रीय राइफल्स में तैनात थे।

कर्नाटक में निजी नौकरियों में 100% आरक्षण,CM ने पोस्ट हटाई
कई कंपनियां रिजर्वेशन के विरोध में; श्रम मंत्री की सफाई- यह 50% और 70% है

24 न्यूज अपडेट

बेंगलुरु. कर्नाटक में प्राइवेट कंपनियों में ग्रुप सी और डी में स्थानीय लोगों को 100% आरक्षण देने का फैसला विवादों में घिर गया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 16 जुलाई को इसकी घोषणा की थी। 24 घंटे के अंदर ही उन्होंने सोशल मीडिया पर 100% कोटा बिल को लेकर की गई पोस्ट हटा ली।

CM के पोस्ट डिलीट करने पर राज्य के लेबर मिनिस्टर संतोष लाड ने बुधवार को सफाई दी- कर्नाटक में प्राइवेट कंपनियों की नौकरियों में नॉन-मैनेजमेंट पोस्ट के लिए रिजर्वेशन 70% और मैनेजमेंट लेवल के स्टाफ के लिए 50% तक सीमित है।

दरअसल, सिद्धारमैया कैबिनेट ने इसके लिए नियम तैयार कर लिए हैं। कैबिनेट से बिल भी पास हो चुका है। इसे 18 जुलाई को विधानसभा में पेश किया जाएगा। हालांकि उससे पहले ही इस पर बड़ी इंडस्ट्रीज ने विरोध जताया है। कंपनियों के लिए दो शर्तें

बिल के मुताबिक, योग्य स्थानीय कैंडिडेट उपलब्ध नहीं हैं तो कंपनियों को सरकार या उसकी एजेंसियों के सहयोग से 3 साल के अंदर उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए कदम उठाने चाहिए। हालांकि इसमें एक शर्त ये भी जोड़ी गई है कि अगर योग्य कैंडिडेट नहीं मिल रहे हैं तो कंपनियां इस नियम के प्रावधानों में छूट के लिए सरकार से आवेदन कर सकती हैं। सरकार की नोडल एजेंसी कंपनी में काम कर रहे कर्मचारियों के रिकॉर्ड्स की जांच कर सकेगी और स्टाफ के बारे में जानकारी हासिल कर सकेगी। अगर कोई भी कंपनी इन प्रावधानों का उल्लंघन करती है तो कंपनी पर जुर्माना लगाया जा सकेगा।

सरकार के फैसले से औद्योगिक घराने नाखुश

प्राइवेट कंपनियों में रिजर्वेशन के कर्नाटक सरकार के फैसले से औद्योगिक घरानों ने नाखुशी जताई है। उनका कहना है कि इस बिल से भेदभाव बढ़ेगा और इंडस्ट्रीज को नुकसान हो सकता है।

मणिपाल ग्लोबल एजुकेशन सर्विसेज के अध्यक्ष मोहनदास पई ने विधेयक को असंवैधानिक बताया। उन्होंने कहा- सरकार को आरक्षण को अनिवार्य करने के बजाय स्किल डेवलपमेंट और हायर एजुकेशन पर ज्यादा खर्च करना चाहिए। कन्नड़ लोगों को नौकरी के लिए सक्षम बनाने के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम और इंटर्नशिप पर ज्यादा निवेश करना चाहिए।

बायोकॉन की अध्यक्ष किरण मजूमदार शॉ ने कहा, इस बिल से टेक्नोलॉजी फील्ड में लीडर के रूप में कर्नाटक के स्टेटस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।

नेसकॉम की कर्नाटक सरकार से बिल वापस लेने की अपील टेक कंपनी नेसकॉम का कहना है कि बिल के आने के बाद कंपनियों के राज्य से बाहर जाने का खतरा है। बेहतर टैलेंट की तलाश में कंपनियां मजबूरन बाहर चली जाएंगी। साथ ही नौकरियों और कर्नाटक के ब्रांड पर भी असर पड़ेगा। स्टार्टअप कंपनियों के लिए मुश्किलें बढ़ जाएंगी।

कर्नाटक में 20% गैर कन्नड़ आबादी काम करती है

कर्नाटक में 20 फीसदी गैर कन्नड़ आबादी काम करती है। बेंगलुरु की कंपनियों में गैर कन्नड़ कर्मचारियों की तादाद 35 फीसदी आंकी गई है। इनमें से अधिकतर उत्तर भारत, आंध्र और महाराष्ट्र से हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, बेंगलुरु शहर की कुल आबादी का 50 फीसदी गैर कन्नड़ भाषी हैं। पिछले दिनों बेंगलुरु में कन्नड़ भाषा की अनिवार्यता पर लंबी बहस भी छिड़ी थी, जिसके बाद हिंदी में नाम लिखे गए साइन बोर्ड तोड़े गए थे।

केदारनाथ सोना विवाद के बीच अब चांदी 'गायब' होने का आरोप

24 न्यूज अपडेट

देहरादूनः केदारनाथ धाम मंदिर से कथित तौर पर सोना गायब होने का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि अब केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह में पूर्व में लगी चांदी गायब होने का आरोप लगाया गया है. उत्तराखंड चारधाम तीर्थ महापंचायत और कार्यकारिणी सदस्य श्री केदार सभा केदारनाथ धाम के उपाध्यक्ष आचार्य संतोष त्रिवेदी के अलावा केदार सभा पूर्व अध्यक्ष किशन बगवाड़ी ने मंदिर से चांदी गायब होने का आरोप लगाया है. हालांकि, बदरी-केदार समिति की ओर से इन आरोपों का जवाब भी दिया गया है. किशन बगवाड़ी का आरोप है कि सोने की प्लेटों से पहले केदारनाथ मंदिर में चांदी की प्लेटें लगी थीं, जिन्हें सोना लगाने के समय हटाया गया था, लेकिन आज तक उनका भी कुछ पता नहीं है. किशन बगवाड़ी का कहना है कि वो इस मुद्दे को भी कई बार उठा चुके है, लेकिन अब इस पर भी कोई जांच नहीं की गई है. बगवाड़ी ने आरोप लगाते हुए कहा कि सोने की 528 प्लेटों के साथ ही चांदी की 230 प्लेटें भी गायब हैं । उन्होंने मंदिर समिति से सवाल किया है कि आखिर 230 किलो सोना कहां गया. इसके अलावा उन्होंने पूर्व में लगी चांदी के बारे में भी मंदिर समिति से जवाब मांगा है. केदार सभा के पूर्व अध्यक्ष किशन बगवाड़ी का कहना है कि वो शुरुआती दौर से ही हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश से इस पूरे प्रकरण की न्यायिक जांच की मांग कर रहे हैं, जिसको राज्य सरकार द्वारा अनसुना किया गया है। वहीं, उत्तराखंड चारधाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत के उपाध्यक्ष संतोष त्रिवेदी भी केदारनाथ मंदिर में लगे सोने की गुणवत्ता पर सवाल उठाते रहे हैं. उन्होंने पूछा कि आखिर सोना तांबे में कैसे बदला? उन्होंने कहा कि पूर्व में गढ़वाल कमिश्नर की अध्यक्षता में जांच समिति बनाई जाने की बात कही गई थी. उस जांच रिपोर्ट का क्या हुआ, इसका भी खुलासा होना चाहिए ।

RBI तक नकली नोटों का जाल:100, 50 और 2000 के नोट शामिल, जोधपुर के अलग- अलग बैंकों से भेजे

24 न्यूज अपडेट

जोधपुर.जोधपुर में फैलाया गया नकली नोट का जाल RBI तक पहुंच गया है। जिले की अलग-अलग बैंकों से आरबीआई को भेजे गए नोटों में कई नकली नोट पाए गए है। आरबीआई ने जोधपुर सरदारपुरा थाने में मामला दर्ज करवाया गया है।

सरदारपुरा पुलिस से मिली जानकारी अनुसार RBI जयपुर के प्रबंधक शुमैल अहमद ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया कि मई 2023 से अप्रैल 2024 तक बैंक को अलग-अलग बैंक की तिजोरियों से गंदे नोट भेजे गए थे। इनके प्रेषण परीक्षण में कई नोट नकली पाए गए है। इसमें 100, 50 और 2000 के नोट शामिल है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

यह मिले नकली नोट

जोधपुर SBI से भेजे गए गंदे नोटों में 100-100 के 12 नोट मिले है। एक्सिस बैंक से भेजे गए नोटों में 50 के 5 नोट और यूको बैंक से भेजे गए नोट में 2000 के 5 नोट नकली मिले है।

सरदारपुरा पुलिस पहले से कर रही जांच

जिले में नकली नोट के गिरोह पर सरदारपुरा पुलिस पहले से कार्रवाई कर रही है। पुलिस ने पिछले दिनों प्रदेश में नकली नोट का नेटवर्क चलाने वाले गुरप्रीत सिंह को पंजाब से गिरफ्तार किया था। आरोपी ने जोधपुर के अलावा राजस्थान के अन्य जिलों में भी नकली नोट सप्लाई करने की बात का कबूल की थी। इसके बाद से पुलिस इस संबंध में आगे की जांच कर रही है।

संपादकीय : आतंक के पांव

आतंकवादी अथ कश्मीर के साथ-साथ फिर से जम्मू क्षेत्र को अपना ठिकाना बनाने लगे हैं। पिछले करीब डेढ़ दशक के दौरान सुरक्षा बलों के आतंकवाद के खिलाफ विशेष अभियान के बाद जम्मू क्षेत्र अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण रहा। आतंकी खतरे के लिहाज से जम्मू को काफी हद तक सुरक्षित माना जाने लगा था। मगर पिछले दो-तीन माह से इस क्षेत्र में आतंकवादी हमले बढ़ने लगे हैं। डोडा जिले में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में सेना के एक कैप्टन सहित चार जवानों की शहादत इसी का उदाहरण है। इस इलाके में पिछले तीन सप्ताह के भीतर सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ की यह तीसरी बड़ी घटना है। आतंकी अब जम्मू में लक्षित हमलों को भी अंजाम दे रहे हैं। पिछले माह रियासी जिले में एक बस पर आतंकी हमले में नौ तीर्थयात्रियों के मारे जाने की घटना इनमें से एक है। जम्मू क्षेत्र में बढ़ती आतंकी घटनाएं सुरक्षा बलों और शासन-प्रशासन के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इस आतंकी सक्रियता के पीछे सीमा पार बैठे आतंकी सरगनाओं की सोची-समझी चाल है। वे किसी भी सूरत में जम्मू कश्मीर में स्थायी तौर पर अमन चैन बहाल नहीं होने देना चाहते। डोडा जिले में मुठभेड़ की यह ताजा घटना कठुआ जिले के दूरस्थ मार्चड़ी वन क्षेत्र में सेना के गश्ती दल पर आतंकी हमले के कुछ ही दिन बाद हुई है, जिसमें पांच सैनिक शहीद हो गए थे। गौरतलब है कि हाल में ज्यादातर मुठभेड़ की घटनाएं सुरक्षा बलों के तलाशी अभियान के दौरान हुई हैं। यानी सुरक्षा बलों को क्षेत्र में आतंकियों के छिपे होने की सूचना तो मिल जाती है, लेकिन वे किस तरह के हथियारों से लैस हैं और उनकी रणनीति क्या है, इसकी स्टीक जानकारी नहीं मिल पाती है। खुफिया जानकारियों में यह बात सामने आई है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी खुद को सुरक्षा एजेंसियों की नजर से बचाने के लिए अब 'संरक्षण और समेकन' की रणनीति अपना रहे हैं। यानी आतंकवादी सीमा पार से घुसपैठ करने के बाद शुरुआत में चुप रहते हैं और स्थानीय आबादी के साथ घुलमिल जाते हैं। जैसे ही उन्हें सीमा पार से निर्देश मिलता है, ये हमले को अंजाम देने में जुट जाते हैं। उत्तरी कश्मीर और जम्मू क्षेत्र में हाल में आतंकियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले इसका ताजा उदाहरण हैं। आम लोगों के बीच छिपे हुए आतंकवाद के इस खतरे से निपटने के लिए सुरक्षा बलों को जल्द ठोस और कारगर रणनीति बनानी होगी। तकनीकी खुफिया जानकारी के साथ-साथ जमीनी स्तर पर 'मानव खुफिया' नेटवर्क भी मजबूत करने की जरूरत है। खुफिया जानकारियों में यह बात भी सामने आई है कि आतंकवादी सीमा पार से संपर्क के लिए अल्ट्रा सेट' फोन जैसे एन्क्रिप्टेड संचार उपकरणों का उपयोग करने लगे हैं, जिससे उनके ठिकाने और रणनीति की सटीक जानकारी हासिल कर पाना मुश्किल हो जाता है। इस तरह की तकनीकी चुनौती से पार पाने के लिए भी सुरक्षा एजेंसियों को गंभीरता से विचार करना होगा। वहीं, जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक का कहना है कि आतंकवादी पंजाब से लगती पाकिस्तान की सीमा से भी घुसपैठ कर जम्मू पहुंच रहे हैं। इसलिए इस इलाके में फिर से आतंकी वारदात बढ़ने लगी हैं। अगर ऐसा है तो सुरक्षा बलों के साथ-साथ पंजाब और जम्मू-कश्मीर प्रशासन को सीमा पर घुसपैठ रोकने के लिए साझा रणनीति बनाने की जरूरत है, ताकि आतंकियों के तंत्र को नेस्तनाबूद किया जा सके।

निरंकुश महंगाई

खुदरा महंगाई दर के बाद अब थोक महंगाई के आंकड़े भी आ गए हैं। हालांकि पिछले चार महीनों से थोक महंगाई में लगातार वृद्धि का रुख बना हुआ है, मगर जून महीने में यह सोलह महीनों के उच्च स्तर 3.36 फीसद पर पहुंच गई। अभी इसमें बहुत बदलाव की गुंजाइश नजर नहीं आ रही। बरसात को देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि अगले महीने इसमें कुछ कमी दर्ज होगी। बताया जा रहा है कि जून में तेज लू चलने के कारण सब्जियों के उत्पादन पर असर पड़ा, जिसकी वजह से महंगाई बढ़ी है। जून में खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर 10.87 दर्ज हुई। इनमें सबसे अधिक महंगाई सब्जियों में देखी गई। प्याज की कीमतों में 99.35 फीसद, आलू में 66.37 तथा अन्य हरी सब्जियों में 38.35 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई। फलों की कीमतों में 10.14 फीसद, मोटे अनाज में 9.27, गेहूं में 6.25 और दालों की कीमतों में 21.64 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई। स्वाभाविक ही इसका असर विनिर्मित खाद्य वस्तुओं पर भी पड़ा है। यह तब है जब जून में पेट्रोल, डीजल, प्राकृतिक गैस और बिजली की कीमतों में कमी दर्ज हुई। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी की मार सबसे अधिक गरीब और सामान्य आय वर्ग के लोगों पर पड़ता है। सब्जियों और दालों की कीमतों बढ़ने से लोगों को अपने भोजन पर अधिक खर्च करना पड़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगस्त में जब सब्जियों की नई फसल आनी शुरू होगी, तब महंगाई में कुछ कमी दर्ज होगी। इसी तरह मोटे अनाज और दलहन की नई फसल आने के बाद कुछ राहत मिलेगी। मगर यह ती तय है कि खाद्य वस्तुओं की कीमतें मौसम के मिजाज पर निर्भर करती हैं। पिछले कुछ वर्षों से जिस तरह मौसम का रुख कृषि क्षेत्र के लिए अनुकूल नहीं दिखाई दे रहा है, उसमें आने वाले समय में इसे लेकर कितना भरोसा किया जा सकता है। ऐसे में, फिर से यह जरूरत रेखांकित हुई है कि फसलों की सुरक्षा, भंडारण, शीतगृहों की क्षमता बढ़ाने आदि जैसे जरूरी उपायों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए। महंगाई पर काबू पाने के लिए केवल रिजर्व बैंक की नीतिगत दरें पर्याप्त उपाय नहीं हैं।

अब थाने बन गए रिश्वत के अड्डे, चौरासी थाने का हेड कांस्टेबल 7 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा, लड़की के भागने के मामले में कंप्रोमाइज के बाद भी मांग रहा था 10 हजार

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. डूंगरपुर। एसीबी ने डूंगरपुर में एक हेडकांस्टेबल को ट्रेप कर लिया। हेडकांस्टेबल जांच बंद करने के नाम पर परिवादी से रिश्वत मांग रहा था। एसीबी ने सत्यापन के बाद जांच बिछाया और परिवादी को 7 हजार की रिश्वत के साथ भेजा। आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। एसीबी ने चौरासी थाने के हेडकांस्टेबल कारुलाल यादव को 7 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी हेडकांस्टेबल ने लड़की को भगा ले जाने व छेड़छाड़ मामले में राजीनामा होने के बाद जांच बंद करने के बदले रिश्वत मांगी थी। हेड कांस्टेबल ने थाने में ही परिवादी को बुला लिया। वहीं पर नोट गिनने शुरू कर दिए। नोटों की गिनती खत्म होती उससे पहले ही हाथ पर रंग चढ़ गया और एसीबी उपाधीक्षक रतनसिंह के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल दबोच लिया गया। डूंगरपुर एसीबी चौकी के उपाधीक्षक रतनसिंह राजपुरोहित ने बताया कि 4 जुलाई को परिवादी ने चौकी में परिवाद दिया था। आरोप लगाया था कि लड़की को भगा ले जाने और छेड़छाड़ के मामले के परिवाद में ठोस कार्रवाई करने के नाम पर चौरासी थाने का हेड कांस्टेबल कारूलाल यादव 10 हजार रुपए की डिमांड कर रहा था। इस शिकायत परएसीबी ने जाल बिछाया, सत्यापन करवाया, लेकिन सत्यापन के समय एएसआई जाल में नहीं आया। इस बीच दोनों पार्टियों में राजीनामा हो गया। लेकिन उसके बाद हैड कांस्टेबल का खेल शुरू हो गया। कारूलाल जांच को बंद करने की एवज में रिश्वत की मांग करने लगा। परिवादी ने 16 जुलाई को फिर से एसीबी में शिकायत की। इस बार शिकायत के बाद एसीबी ने सत्यापन करवाया। सत्यापन में 7 हजार की राशि तय होने की पुष्टि हो गई। बुधवार को रिश्वत का मुहूर्त निकल गया और उसके साथ ही आरोपी कारूलाल के जेल जाने का भी मुहूर्त निकल गया। चौरासी थाने में ही 7 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई से गंभीर सवाल खडे हो गए हैं कि आखिर हैड कांस्टेबल में वो कॉन्फिडेंस कहां से आया कि वह थाने में ही बैठकर आराम से रिश्वत ले रहा था। क्या इससे पहले भी उसने ऐसा किया होगा व क्या ऐसा तो नहीं है कि यह पूरे थाने का ही दस्तूर है। यह जांच का विषय है।

प्री-डीएलएड का रिजल्ट जारी:बाड़मेर के छगनलाल रहे टॉपर, शिक्षा मंत्री ने हिंदी में प्रश्न-पत्र छपवाने की तारीफ की

24 न्यूज अपडेट

कोटा .वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय(VMOU) कोटा की ओर से प्री- डीएलएड परीक्षा 2023 का परिणाम जारी किया गया। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने यूनिवर्सिटी कैंपस में परिणाम जारी किया। परीक्षा में बाड़मेर के छगनलाल प्रजापति को 600 में से 558 अंक लेकर पहला स्थान प्राप्त किया। छगनलाल ने जोधपुर सेंटर पर एग्जाम दिया था। अलवर के निश्चल शर्मा ने 600 में से 555 के साथ दूसरा व अजमेर के चेलाराम को 552 अंक हासिल करके तीसरा स्थान हासिल किया। शिक्षा मंत्री बदन दिलावर ने तीनों टॉपर अभ्यर्थियों से बातचीत की। अभ्यर्थी अपना परीक्षा परिणाम इस लिंक https://result.predele-draj2024.in/ पर देख सकते हैं।

हिंदी में प्रश्न पत्र छपवाने की तारीफ

शिक्षा मंत्री ने विश्वविद्यालय की ओर से हिंदी में प्रश्न पत्र छपवाने की पहल की तारीफ की। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी व हिंदी में पेपर छपवाने दोहरा खर्चा होता है। यानी जनता की खरी कमाई का पैसा वैसे ही चला जाता था। जिसकी जरूरत परीक्षार्थियों को नहीं होती थी। मेरी जानकारी के अनुसार तीन चार प्रतिशत अभ्यर्थियों ने अंग्रेजी में प्रश्न पत्र मांगा होगा।

33 जिलों के 1917 सेंटर पर हुई थी परीक्षा

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कैलाश सोडानी ने बताया- प्री डिप्लोमा इन एलिमेंट्री एजुकेशन (प्री डीएलएड 2024) परीक्षा का आयोजन 30 जून को किया गया था। यह परीक्षा प्रदेश के 33 जिलों के 1917 सेंटर पर आयोजित की गई। परीक्षा में 6 लाख 45 हजार 454 अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। इनमें से कुल 3 लाख 51 हजार 886 महिला अभ्यर्थियों (54.52%) एवं 2 लाख 93 हजार 522 पुरुष अभ्यर्थियों (45.47%) तथा 46 अन्य अभ्यर्थी थे।

चोर गिरोह के 3 शातिर बदमाश गिरफ्तार:चोरी की एक बाइक बरामद, 5 वारदातें करना किया कबूल

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर. डूंगरपुर कोतवाली थाना पुलिस ने एक चोर गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने गिरोह के 3 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। वहीं बदमाशों के कब्जे से चोरी की एक बाइक भी बरामद की है। बदमाशों ने सागवाड़ा क्षेत्र में चोरी की 5 वारदातें करना कबूल की हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। कोतवाली थाने के सीआई भगवानलाल ने बताया कि मुखबिर के जरिए शहर के उदयबिलास रोड पर संदिग्ध युवकों के होने की जानकारी मिली थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और 3 युवकों से पूछताछ की और तलाशी ली। तलाशी में युवकों से पेचकस और फेट जैसी आपत्तिजनक वस्तुएं मिली। वहीं उनके पास चोरी की एक बाइक भी मिली। जिस पर पुलिस तीनों को डिटेन कर थाने लेकर पहुंची। जहां पुलिस ने युवकों से सख्ती से पूछताछ की तो युवकों ने सागवाड़ा क्षेत्र में चोरी की 5 वारदातें करना कबूल किया। जिसमें सागवाड़ा के डबगरवाडा से बाइक, वनोरी हनुमान मंदिर की दानपेटी से चोरी, वनोरी में एक दुकान में चोरी, सागवाड़ा के पंचवटी में बाइक चोरी और खडगदा गांव के बस स्टैंड पर होटल में चोरी की वारदात करना कबूल किया है।। जिस पर पुलिस ने अम्बाडा निवासी संतोष पुत्र मणिलाल मनात, भासोर निवासी संजय उर्फ विकास पुत्र हरीश ननोमा और अम्बाडा निवासी दीपेश पुत्र कैलाश चन्द्र रोत को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

फाईनेंस कर्मी को रास्ते में रोक कर 1 लाख लूट लिए थे, पकड़ा गया एक लुटेरा, तीन की तलाश जारी

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, बांसवाडा। 4 जुलाई को मेहुल पिता नवीन भाई बरजोड निवासी कनजरा संतरामपुर जिला महिसागर गुजरात हाल स्वतन्त्र माइक्रो फाईनेंस फतेहपुरा गुजरात ने रिपोर्ट दी कि वह लोन बाटने तथा किश्त वसुली करने की नौकरी करता हैं सुबह 7 बजे किस्त की वसूली करने निकला था तथा अलग अलग जगहों पर वसूली करता हुआ करीब 3 बजे गदेडीया गांव में पहुंचा कि रोड पर पीछे से पल्सर एन एस गाडी लेकर 3 लडके आये। गाडी के आगे आकर रुके और उसकी गाडी को धक्का मारकर गिरा दिया। उसके उपर बैठ गए व चाकू दिखाकर बैग लेकर भाग गये। बेग में रिकवरी के कलेक्शन का करीब एक लाख रूपया था और रिकवरी करने के लिये जरूरी कागज (डिमाण्ड शीट) थी। उसको भी वो लोग लेकर भाग गये। रिपोर्ट प्राप्त होने पर प्रकरण दर्ज कर अज्ञात बदमाशों की तलाश शुरू की गई। हर्षवर्धन अग्रवाला जिला पुलिस अधीक्षक महोदय बांसवाडा एवं राजेश भारद्वाज अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बांसवाडा के निर्देशानुसार विनय चौधरी पुलिस उपअधीक्षक वृत्त बागीदौरा के पर्यवेक्षण में थाना सल्लोपाट पर टीम का गठन किया गया तथा घटना में प्रयुक्त बाईक के हुलिया तथा प्रार्थी द्वारा बताये हुलिये के युवकों की तलाश शुरू की गई। मुखबिरी तन्त्र से भी जानकारी ली गई तथा तकनीकी अनुसंधान किया गया तो ज्ञात हुआ कि गदेडीया गांव का अल्पेश पिता नाहटा जाति गरासिया निवासी गदेडीया बदमाश प्रवृत्ति का था।घटना के दिन से ही गायब था तथा सज्जनगढ क्षेत्र की तरफ के दोस्तों के पास पल्सर एन एस बाईक भी है तथा कुछ लडके इससे मिलने आते जाते रहते थे एवं घटना के दिन भी कुछ लडके पल्सर बाईक लेकर उससे मिलने आये थे। उक्त संदिग्ध व्यक्ति की तलाश शुरू की गई तो दौराने तलाश घर पर आने की सुचना पर टिम द्वारा डिटेन किया गया तथा पूछताछ करने पर अभियुक्त द्वारा अपने साथियों के साथ लूट का प्लान बना फाईनेंस कर्मी की लोकेशन अपने साथियों हितेष पिता गलिया जाति पारगी निवासी भडवेल व धनपाल उर्फ कालू पिता शम्भू जाति गरासिया निवासी संदलाई व राकेश पिता प्रभूलाल जाति पारगी निवासी भडवेल पुलिस थाना सज्जनगढ़ को देकर लुट की घटना करवाना कुबूल किया। अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भिजवाया गया। प्रकरण की घटना को अंजाम देने वाले तीनों मुख्य अभियुक्तों हितेश, राकेश व धनपाल की तलाश जारी है।

भीलवाड़ा में गायत्री मंदिर में दान-पात्र के ताले तोड़े, दान राशि लेकर फरार हुए चोर

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. भीलवाड़ा। भीलवाड़ा शहर में चोर मंदिर में घुसे और दानपात्र का ताला तोड़कर दान की राशि लेकर फरार हो गए। मंदिर में गंदगी भी डाल दी, ऐसे में लोगों में काफी गुस्सा है। पुलिस के अनुसार सुभाष नगर थाना क्षेत्र में गायत्री माता मंदिर में चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। दानपात्र का ताला तोड़कर दान राशि चुरा ली। जानकारी मंदिर के पुजारी परिवार को मंदिर पहुंचने के बाद लगी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मंदिर कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुजारी मंजू देवी ने कहा कि सुभाष नगर डिस्पेंसरी के सामने पार्क में स्थित गायत्री मंदिर में सुबह जब हम ताला खोलने के लिए आए, तब अंदर देखा तो मंदिर का दानपात्र टूटा हुआ था और ताला टूटा हुआ था। सारा सामान बिखरा हुआ था अज्ञात चोरों ने दानपात्र में रखी करीब 10 से 20 हजार की दान-राशि चुरा ली तथा फरार हो गए। चोरों ने मंदिर के परिक्रमा मार्ग पर गंदगी भी कर दी, जिसका लोगों ने विरोध किया व आक्रोश है।

जल जीवन मिशन घोटाले में सीबीआई की एंट्री:आरोपियों को समन भेजकर दिल्ली बुलाया, जेल में बंद लोगों से भी होगी पूछताछ

24 न्यूज अपडेट

जयपुर.जल जीवन मिशन(जेजेएम) घोटाले मामले में एसीबी और ईडी के बाद अब सीबीआई भी एक्टिव हो गई है। सीबीआई दिल्ली ने इस केस में पूछताछ के लिए समन भेजकर दिल्ली बुलाना शुरू कर दिया है। जो आरोपियों के घर पहुंच चुका है। कुछ को गुरुवार को दिल्ली बुलाया गया है। जो जेल में हैं। उनके लिए कोर्ट से परमिशन मांगी गई है।

दरअसल, जयपुर एसीबी ने जेजेएम से जुड़े हुए कुछ अधिकारियो, ठेकेदारों के खिलाफ 8 अगस्त 2023 को एक एफआईआर दर्ज की थी। यह एफआईआर एसीबी के सीआई राजेश राव की ओर से दर्ज कराई गई थी। इसमें बताया गया था कि 6 अगस्त को उनके पास सूचना आई थी की जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) में टैंडर प्राप्त करने, बिलों के भुगतान और कार्य में अनियमित्ताओं के लिए अवैध संरक्षण प्राप्त करने के लिए ठेकेदार पदम जैन ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को रिश्वत देने लिए होटल में बुलाया हैं। 7 अगस्त को एसीबी ने ट्रैप की कार्रवाई करते हुए 2.20 लाख रुपए की राशि लेते हुए अधिकारियों को ट्रैप किया था। जांच में एसीबी ने 10 लोगों को इस केस में आरोपी बनाया था।

एअर इंडिया ने 2200 भर्तियां निकाली, 25 हजार कैंडिडेट पहुंचे

24 न्यूज अपडेट

मुंबई. मुंबई में मंगलवार (16 जुलाई) को एयरपोर्ट लोडर की 2,216 वैकेंसी पर 25 हजार से ज्यादा कैंडिडेट इंटरव्यू के लिए पहुंच गए। इससे मुंबई एयरपोर्ट पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। एअर इंडिया के कर्मचारियों को भीड़ को कंट्रोल करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी।

नौकरी के लिए पहुंचे कैंडिडेट्स की कई फोटो और वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें युवाओं की भारी भीड़ दिख रही है। फॉर्म काउंटर तक पहुंचने के लिए कैंडिडेट धक्का-मुक्की करते नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आवेदकों को बिना भोजन और पानी के घंटों इंतजार करना पड़ा। ऐसे में कई की तबीयत खराब होने लगी। 400 km दूर से इंटरव्यू के लिए पहुंचा

बुलढाणा जिले के प्रथमेश्वर ने बताया- मैं लोडर जॉब के लिए इंटरव्यू देने के लिए 400 km दूर से सफर करके यहां पहुंचा। मैं अप्रेंटिस पोस्ट के लिए अप्लाई करने आया हूं। इसके लिए 22,500 रुपए सैलरी है। प्रथमेश्वर ने आगे बताया कि वे BBA सेकेंड ईयर के स्टूडेंट हैं। अगर उनकी नौकरी लग जाती है तो वे पढ़ाई छोड़ देंगे। साथ ही उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएं।

राजस्थान के अलवर से मुंबई आए एक अन्य कैंडिडेट ने बताया कि उसके पास M.Com की डिग्री है। उन्होंने कहा, 'मैं गवर्नमेंट जॉब की तैयारी भी कर रहा हूं, किसी ने मुझे बताया कि यहां सैलरी अच्छी है तो मैं इंटरव्यू देने आया हूं।'

एयरपोर्ट लोडर को मिलती है 20-25 हजार सैलरी

एयरपोर्ट में लोडर के पद पर भर्ती होने वाले कर्मचारियों प्लेन में सामान चढ़ाने, उतारने के साथ ही बैगेज बेल्ट और रैंप ट्रैक्टर चलाने का काम करते हैं। एक प्लेन में सामान, कार्गो और फूड सप्लाई के लिए कम से कम 5 लोडरों की जरूरत होती है।

एयरपोर्ट लोडर को 20 से 25 हजार प्रतिमाह की सैलरी मिलती है। हालांकि, ज्यादातर लोडर ओवरटाइम काम करके 30 हजार से अधिक पैसा कमा लेते हैं। लोडर की जॉब के लिए एजुकेशन क्वालिफिकेशन बेसिक होती है जबकि कैंडिडेट फिजिकली स्ट्रॉन्ग होना चाहिए।

जयपुर एयरपोर्ट पर यात्रियों का हंगामा:स्पाइसजेट की दुबई जाने वाली फ्लाइट आखिरी वक्त पर हुई कैंसिल, 163 लोग हुए परेशान

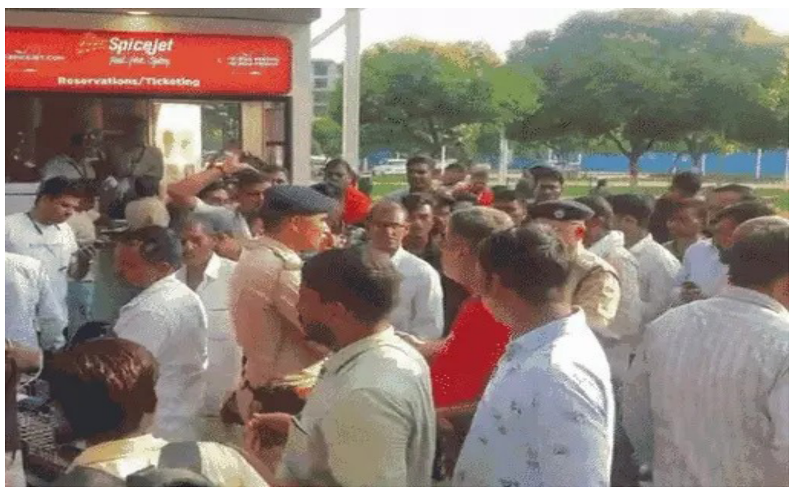

24 न्यूज अपडेट

जयपुर.जयपुर से दुबई जाने वाली स्पाइसजेट एयरलाइंस की फ्लाइट बुधवार सुबह आखिरी वक्त पर रद्द हो गई। इसके बाद जयपुर एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में नाराज यात्रियों ने विरोध शुरू कर दिया। इस दौरान यात्रियों ने स्पाइसजेट प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की।

वहीं, स्पाइसजेट प्रशासन ने टेक्निकल कारण का हवाला देकर आखिरी वक्त पर फ्लाइट रद्द होने की बात कही।

दुबई जाने वाले राजूराम जाट ने बताया- 163 यात्रियों को आज सुबह 9:20 बजे स्पाइसजेट एयरलाइन से दुबई के लिए उड़ान भरनी थी। हम सब अपने निर्धारित वक्त पर एयरपोर्ट पहुंच भी गए। आखिरी वक्त पर हमें बिना बताए फ्लाइट को कैंसिल कर दिया गया। स्पाइसजेट प्रशासन सही जवाब नहीं दे पाया। इसके बाद हमने टर्मिनल मैनेजर से भी बात करने की कोशिश की। उनका कोई जवाब नहीं आया।

नौकरी जॉइन करने दुबई पहुंचना था

हम सब लोग दूर-दराज से आज दुबई फ्लाइट के लिए ही जयपुर पहुंचे थे। मुझे खुद आज दुबई पहुंचना बेहद जरूरी था। क्योंकि मैं वहां नौकरी जॉइन करने वाला था। मैं टैक्सी किराए पर लेकर आज जयपुर पहुंचा था। यहां आने पर अब फ्लाइट कैंसिल होने की जानकारी मिली है। इससे मुझे बड़ा नुकसान हो गया है।

राजूराम ने कहा- एयरपोर्ट प्रशासन को अगर फ्लाइट कैंसिल करनी थी तो हमें इसकी समय रहते जानकारी देनी चाहिए थी। उन्होंने ऐसा नहीं किया। न ही हम लोगों को एयरपोर्ट पर किसी तरह की सुविधा दी गई। इसकी वजह से आज दूर दराज से आए यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है। दुबई जाने वाले यात्री अमित ने बताया- स्पाइसजेट प्रशासन ने आज बड़ी लापरवाही की है। मुझे बेहद जरूरी काम से आज दुबई जाना था। बिना बताए आखिरी वक्त पर मेरी फ्लाइट को कैंसिल कर दिया गया है। ऐसे में अब मेरे पास दुबई जाने के लिए कोई और व्यवस्था तक नहीं है। इससे मेरा जरूरी काम पूरा नहीं हो पाएगा। ऐसे में सरकार को इस तरह की लापरवाही करने वाली एयरलाइन कंपनियों के खिलाफ भी कार्रवाई करनी चाहिए। ताकि वह भविष्य में आम जनता के साथ इस तरह का भद्दा मजाक नहीं करें।

वहीं, यात्रियों के विरोध के बाद स्पाइसजेट एयरलाइंस ने टेक्निकल कारण बताकर फ्लाइट रद्द होने की बात कही। जब हमारी टीम ने उनसे इस पूरे मामले पर उनका पक्ष जानने की कोशिश की। उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

मुकुंदरा के जंगल को छोड़ बिजौलिया पहुंचा एमटी-5 टाइगर:6 महीने बाद दोबारा एंट्री, वन विभाग का कास्या तिलस्वां के जंगलों में सर्च

24 न्यूज अपडेट

बिजौलिया. मुकंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व कोटा के टाइगर मेल एमटी-5 की साइटिंग आज बिजौलिया क्षेत्र के जंगलों के आस पास हुई है। अपनी टेरिटरी छोड़कर टाइगर का कास्या तिलस्वां के जंगलों में प्रवेश करने की जानकारी मिलने पर मुकुंदरा संचुरी के स्टाफ ने आज बिजौलिया में डेरा डाल लिया है। दो दिनों से MT-5 टाइगर मुकुंदरा रिजर्व से गायब था, जिसकी लोकेशन ट्रेस नहीं हो पा रही थी।

जानकारी के अनुसार इससे पहले इसी साल 11 फरवरी को भी इसी टाइगर ने बिजौलिया क्षेत्र में प्रवेश कर यहां तीन दिन बिताए थे। जोगणिया माता के जंगल से वापस लौट कर टाइगर उसी रास्ते मुकुंदरा पहुंचा था। अब छह माह बाद नेशनल एनिमल टाइगर की दुबारा बिजौलिया में एंट्री हुई है। रेडियो कॉलर से मिला इनपुट मुकुंदरा की एक टीम ने यहां के कास्या, तिलस्वा, राणा जी का गुढा होकर आरोली के जंगलों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। फिलहाल टाइगर के गले मे लगे रेडियो कॉलर से मिले इनपुट के आधार पर टीम द्वारा जंगल किंग को सर्च किया जा रहा है।

विभागीय सूत्रों के अनुसार आज सुबह टाइगर एमपी-राजस्थान स्टेट बॉर्डर के नजदीक बिजौलिया के कास्या और तिलस्वां के वन क्षेत्र के आस पास होने की सूचना मिली। नेशनल एनिमल की लोकेशन आउट ऑफ संचुरी होने की सूचना पर मुकुंदरा टाइगर हिल्स का स्टाफ अलर्ट मोड़ में आ गया। बिजौलिया क्षेत्र में टाइगर होने की संभावना को देखते हुए वन्य जीव एक्सपर्ट की टीम ने बिजौलिया में डेरा डाल दिया है।

6 महीने पहले भी हुई थी साइटिंग बता दें, इसी साल 11 फरवरी को तीन दिन बिजौलिया और चित्तौड़गढ़ के जोगणिया माता के आस पास जंगल में रहकर वह मालादेवी होते हुए मुकुंदरा के बफर जोन में पहुंचा था। बिजौलिया के कास्या-सिंगोली स्टेट बॉर्डर से 5 किलोमीटर दूर श्रीनगर के जंगलों के बाद मुकुंदरा संचुरी शुरू होती है। टाइगर MT-5 के छह महीने में दोबारा यहां आने को बिजौलिया की जैव विविधता भरा घना जंगल टाइगर के लिए फेवरेबल माना जा रहा है। भैंसरोडगढ (चित्तौड़गढ़) होते हुए बिजौलिया के जंगलों में पहुंचा गौरतलब है कि मुकुंदरा टाइगर रिजर्व संचुरी में टाइगर MT-5 टाइग्रेस MT-6 के साथ रहता है। जो अपनी टेरिटरी छोड़कर भैंसरोडगढ़ होते हुए बिजौलिया के जंगलों में पहुंच गया है।

दो दिन नहीं मिल पा रही प्रोपर लोकेशन

सर्च टीम के इंचार्ज और मुकुंदरा टाइगर रिजर्व के एसीएफ जनक सिंह ने बताया कि बीते 2 दिनों से टाइगर MT-5 की मुकुंदरा में प्रॉपर लोकेशन नहीं मिल पा रही थी। टाइगर छह महीने पहले बिजौलिया में तीन दिन बिताकर मुकुंदरा लोटा था। इसी संभावना के चलते आज एक्सपर्ट की टीम ने गैजेट्स की सहायता से बिजौलिया के जंगलों में लेकेशन ट्रेस के लिए वहां सर्च किया है, जहां पूर्व में टाइगर ने तीन दिन बिताए थे। फिलहाल टाइगर की लोकेशन के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। बिजौलिया में टाइगर होने की संभावना के चलते सर्च ऑपरेशन शुरू किया था।

नकल गिरोह के लिए फर्जी डॉक्युमेंट बनाने वाला वांटेड गिरफ्तार:REET -2021 केस में 3 साल से चल रहा था फरार;2 साल पहले बना सरकारी टीचर

24 न्यूज अपडेट

बाड़मेर. REET में नकल करवाने वाले गिरोह को फर्जी एडमिट कार्ड और डॉक्युमेंट बनाकर उपलब्ध करवाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी 3 साल से फरार चल रहा था। उस पर बालोतरा पुलिस ने 25 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था।

2 साल पहले आरोपी सरकारी टीचर बन गया और सांचौर जिले के चितलवाना इलाके सरकारी स्कूल में शारीरिक टीचर (पीटीआई) के पद पर पदस्थापित था। 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर भेज दिया था जेल थानाधिकारी ओमप्रकाश गोदारा ने बताया- साल 2021 में आयोजित रीट परीक्षा से 2 दिन पहले बालोतरा पुलिस ने एक मकान पर दबिश देकर 2 टीचर को गिरफ्तार कर बड़े नकल गिरोह का पर्दाफाश किया था। इस मामले में पुलिस 22 आरोपियों को नामजद किया गया था। इनमें से मास्टरमाइंड सहित 12 आरोपियों को पुलिस ने पहले गिरफ्तार कर लिया था और जेल भेज दिया था। गोदारा ने बताया- आरोपियों से पूछताछ में सामने आया था कि ई-मित्र संचालक आरोपी मनोहरलाल ने गिरोह को फर्जी तरीके से एडमिट कार्ड और अन्य दस्तावेज बनाकर उपलब्ध करवाए थे। आरोपी 3 साल से फरार चल रहा था। पुलिस ने उस पर इनाम भी घोषित किया था। पुलिस ने मंगलवार को आरोपी मनोहरलाल को गिरफ्तार कर लिया। मनोहरलाल बालोतरा थाने के टॉप-10 वांटेड में शामिल था।

आरोपी 4 दिन की पुलिस रिमांड पर

थानाधिकारी ने बताया- पुलिस ने आरोपी मनोहरलाल को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया और 4 दिन की रिमांड पर लिया है। अब आरोपी से नकल गिरोह के संबंध में पूछताछ की जा रही है। साल 2022 में आरोपी मनोहरलाल पीटीआई बन गया और गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रामपुरा में पोस्टिंग मिली थी। आरोपी अभी वहीं पर पदस्थापित था।

ई-मित्र पर फर्जी दस्तावेज बनाता था आरोपी थानाधिकारी ने बताया- आरोपी मनोहरलाल नकल गिरोह के खुलासे के समय ई-मित्र का काम करता था। उसने मामले में पूर्व में गिरफ्तार किए गए सुरेश कुमार के रीट एग्जाम के आवेदन पत्रों में फर्जीवाड़ा कर दस्तावेज तैयार किए थे। परीक्षा से पहले पुलिस ने गिरोह का भंडाफोड़ कर दिया था। मामले के खुलासे के बाद पुलिस ने कई आरोपियों को गिरफ्तार किया था, लेकिन आरोपी पुलिस की गिरफ्त से दूर था।

12-12 लाख रुपए लेकर एग्जाम में बैठाते थे डमी अभ्यर्थी

आरोपियों से पूछताछ में अभ्यर्थियों से 12-12 लाख रुपए लेकर परीक्षा से 4 घंटे पहले पेपर सॉल्व करवाकर देने की बात सामने आई थी। इसके अलावा गिरोह फर्जी पहचान पत्र बनाकर डमी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा पास करवाता था। गिरोह में टीचर, पुलिसकर्मी भी शामिल थे, जो अभ्यर्थियों की जगह में परीक्षा में बैठते थे। गिरोह में शामिल सभी सदस्यों के जिम्मे अलग-अलग काम था।

पंजाब में गवर्नर ही रहेंगे यूनिवर्सिटीज के चांसलर:राष्ट्रपति ने यूनिवर्सिटी कानून संशोधन बिल को नहीं दी मंजूरी; स्पेशल सेशन बुलाकर पास किया था

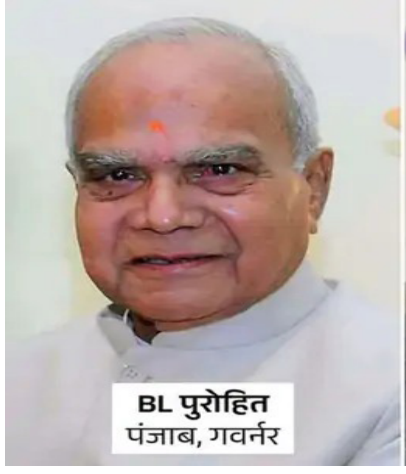

24 न्यूज अपडेट

चंडीगढ़. पंजाब की आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार को राष्ट्रपति से झटका लगा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पंजाब यूनिवर्सिटी कानून संशोधन बिल 2023 को खारिज कर दिया। पहले की तरह पंजाब के गवर्नर ही यूनिवर्सिटीज के चांसलर रहेंगे। गवर्नर ने बिल को मंजूरी नहीं दी थी। जिसके बाद सरकार सुप्रीम कोर्ट चल गई। इसके बाद गवर्नर ने बिल राष्ट्रपति को भेज दिया। हालांकि अब राष्ट्रपति ने इसे खारिज कर दिया। बिल के तहत राज्य की 12 स्टेट यूनिवर्सिटी के चांसलर की शक्ति गवर्नर से लेकर मुख्यमंत्री को दी थी। फिलहाल सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। गवर्नर ने सत्र को गैर कानूनी बताया पंजाब सरकार ने 20-21 जून 2023 में विधानसभा का स्पेशल सेशन बुलाया था। राजभवन की तरफ से राज्य सरकार को लेटर भेजा गया था। जिसमें बुलाए गए सत्र को गैरकानूनी बताया था। साथ ही इसके अधीन पास किए जाने वाले कामकाज को शून्य की श्रेणी में रखने की जानकारी दी गई। गवर्नर के लेटर के बाद भी सरकार ने सेशन बुलाया। सेशन में 4 बिलों के साथ पंजाब यूनिवर्सिटी संशोधन बिल 2023 भी सर्वसम्मति से पास किया गया। सरकार इस बिल के जरिए सरकारी यूनिवर्सिटी की पावर गवर्नर से लेकर मुख्यमंत्री को देना चाहती है। इसके बाद सरकार ने बिल पास कराने के लिए गवर्नर को भेज दिए थे।

गवर्नर ने बिल पेंडिंग रखे, सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची

करीब 5 महीने गवर्नर की तरफ से राज्य सरकार के बिलों को पेंडिंग रखा गया। इसके बाद पंजाब सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई। 6 नवंबर 2023 को सुनवाई के दौरान सरकार ने कहा कि 7 महीने से गवर्नर ने बिल अपने पास रोके हुए हैं। कोर्ट ने कहा था कि राज्यपाल इस मामले को ध्यान में रखें कि उन्हें जनता ने नहीं चुना है।

फिर गवर्नर ने राष्ट्रपति को भेजा बिल

इसके बाद भी गवर्नर व पंजाब सरकार के बीच टकराव की स्थिति खत्म नहीं हुई। 6 दिसंबर को गवर्नर ने सरकार को बताया कि उक्त बिल को आरक्षित रखा गया है। इन बिलों पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से सलाह लेकर फैसला लेंगे। जिसके बाद अब राष्ट्रपति भवन से यह बिल वापस भेजे गए हैं।

बिल लाने की जरूरत क्यों पड़ी?

साल 2023 में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना और बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज फरीदकोट के चांसलर की नियुक्ति को लेकर पंजाब के गवर्नर और मुख्यमंत्री के बीच टकराव हुआ था। इसके बाद पंजाब विधानसभा द्वारा यह विधेयक पारित किया गया था।

कई राज्य इस तरह के बिल कर चुके हैं पास

कुछ समय पहले कई राज्यों ने अपने राज्य की यूनिवर्सिटी के कानून बिलों में संशोधन किए हैं। इसके बाद यह मामले सुप्रीम तक पहुंचे। जिन राज्यों में इस तरह के प्रयास हुए हैं, उनमें पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र (जब उद्धव ठाकरे सीएम थे), राजस्थान, तमिलनाडु और केरल की विधानसभाओं ने भी राज्यपालों को चांसलर पद से हटाने संबंधी बिल पास किया था।

बकरियां चराते बरसाती नाले में उतरे दो भाई डूबे

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। मावली थाना क्षेत्र में दो नाबालिग भाईयों की बुधवार को सड़क के पास बह रहे बरसाती नाले में डूबने से मौत हो गई। ये बच्चे बच्चे बकरियां चराते हुए जा रहे थे तभी बहता पानी देख कर नहाने के लिए चले गए। उन्हें नहाते हुए गहराई का अंदाजा ही नहीं हुआ और डूब गए। पानी में दोनें को डूबता हुआ देख कर किनारे पर ही खड़े उनके दो साथियों ने जोर जोर से शोर मचाया। इस पर वहां से जा रही राहगीर भाग कर आए व बच्चों को बाहर निकाला मगर तब तक उनकी सांसें उखड़ चुकी थीं। पुलिस ने बताया कि खेमपुर ग्राम पंचायत के गोपाल नगर में दोपहर करीब 2 बजे यह घटना हुई। इयमें सुरेश (12) पुत्र रामलाल गमेती और मुकेश(11) पुत्र शंकरलाल गमेती की मौत हो गई। बताया गया कि दो भाइयों के बेटे सुरेश और मुकेश बुधवार को मोहरम की छुट्टी होने की वजह से स्कूल नहीं गए व बकरियां चलाने चले गए। दोनों के पिता मजदूरी करते हैं। सुरेश 7वीं और मुकेश कक्षा 6 में अध्ययनरत था। बकरियां चराते हुए वे दो दोस्तों के साथ आगे निकल गए। इस बीच बरसाती नाले को देखा तो नहाने चले गए। उछलकूद करते करते अचानक वे गहराई में चले गए व डूब गए। ग्रामीणों ने कहा कि एक दिन पहले तेज बारिश के बाद इस बरसाती नाले में पानी आया था।

डॉ. दीपक शर्मा सेक्टर विशेषज्ञ के रूप में नामित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। दिनांक 17 जुलाई 2024। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नीति आयोग के ऊर्जा सलाहकार की अध्यक्षता में गठित बायोगैस (लघु एवं मध्यम संयंत्र) पैनल/उप-समिति में एमपीयूएटी उदयपुर के सेवानिवृत्त प्रोफेसर / पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. दीपक शर्मा को सेक्टर विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया है।चरण-I के तहत 858 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ वित्त वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक दो चरणों में कार्यान्वयन के लिए नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नवंबर, 2022 में राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम (एनबीपी) को अधिसूचित किया गया था जो कि तीन घटकों (i) अपशिष्ट से ऊर्जा कार्यक्रम (ii) बायोमास कार्यक्रम और (iii) बायोगैस कार्यक्रम के तहत देश में जैव ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। समीक्षा समिति वर्ष 2021-22 से 2023-24 तक की अवधि के लिए एनबीपी चरण-I के प्रत्येक उप-घटकों के समग्र उद्देश्यों, समीक्षा तंत्र और कार्यान्वयन की प्रगति का विश्लेषण और मूल्यांकन करेगी, जिसकी सिफारिशों के परिणामों को एनबीपी के चरण-II के अनुमोदन प्रस्ताव के साथ शामिल किया जाएगा।

बांग्लादेशी PM हसीना का नौकर 284 करोड़ का मालिक:हेलिकॉप्टर से आता-जाता; हसीना के घर मेहमानों को पिलाता था पानी, भ्रष्टाचार की जांच शुरू

24 न्यूज अपडेट

ढाका. बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के नौकर के पास 284 करोड़ की संपत्ति है। उसके पास एक प्राइवेट हेलिकॉप्टर है और कहीं आने-जाने के लिए वह इसी का इस्तेमाल करता है। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, इस नौकर का नाम जहांगीर आलम था। वह PM हसीना के घर पर मेहमानों को पानी देने का काम करता था।

जहांगीर ने हसीना के ऑफिस और घर में काम करने का जिक्र करते हुए कई लोगों से रिश्वत ली थी। वह लोगों से उनका काम करवाने का झांसा देकर पैसे वसूलता था। मामले सामने आने के बाद PM हसीना ने तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए हैं। वहीं ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, जहांगीर पहले ही अमेरिका भाग चुका है।

द र अ स ल , बांग्लादेश में पूर्व आर्मी चीफ, पुलिस अधिकारी, टैक्स अधिकारी और कई सरकारी कर्मचारियों के भ्रष्टाचार से जुड़े मामले सामने आए हैं। इसी लिस्ट में प्रधानमंत्री के नौकर का भी नाम है।

'आम बांग्लादेशी का इतना कमाने में लगेंगे 13 हजार साल'

PM हसीना ने कहा, "मेरे घर पर काम करने वाला एक व्यक्ति आज करोड़ों की संपत्ति का मालिक है। उसने इतने पैसे कहां से कमा लिए? एक आम बांग्लादेशी को इतनी संपत्ति इकट्ठा करने में 13 हजार साल लग सकते हैं। सरकार इन मामलों की गंभीरता से जांच कर रही है।"

दरअसल वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, 17 करोड़ की आबादी वाले बांग्लादेश में प्रति व्यक्ति आय 2.11 लाख रुपए है। वहीं शेख हसीना के नौकर के भ्रष्टाचार में लिप्त होने की बात सामने आने के बाद से विपक्ष ने सरकार को घेर रही है।

बांग्लादेशी नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) के प्रवक्ता वहीदुज्जमान ने कहा कि जब हसीना के नौकर के पास इतना पास है तो उसके मालिक के पास कितना होगा, इसका अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता। इसके बाद भी नौकर को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया। उसे सिर्फ नौकरी से निकाला गया।

भ्रष्टाचार के मामलों में घिरे हसीना के करीबी

जनवरी में चौथी बार सत्ता में लौटी PM हसीना के सरकार बनाने के बाद से भ्रष्टाचार के कई मामले सामने आ चुके हैं। बांग्लादेश की एंटी-करप्शन कमिशन ने हाल ही देश के पूर्व नेशनल पुलिस चीफ बेनजीर अहमद के खिलाफ जांच शुरू की है।

एक समय हसीना के करीबी रहे बेनजीर पर आरोप है कि उसके बाद करोड़ों की संपत्ति है, जिसे उसने भ्रष्टाचार के जरिए जमा किया है। अमेरिका ने 2021 में अहमद पर कई पाबंदियां भी लगाई थीं। अहमद पर सैकड़ों लोगों के अचानक गायब होने या उनकी हत्या के मामलों में शामिल होने का आरोप था।

वहीं बांग्लादेश के लोकल अखबारों ने देश के पूर्व आर्मी चीफ अजीज अहमद पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। रिपोर्ट्स सामने आने के बाद एंटी-करप्शन कमिशन ने अजीज की कई संपत्ति को जब्त कर लिया था। इसके अलावा उनके बैंक अकाउंट भी फ्रीज कर दिए गए थे।

इंटीग्रेटेड बीएड के 3 पेपर फिर से होंगे:स्टूडेंट्स ने आउट ऑफ सिलेबस सवाल आने की शिकायत की थी, कमेटी ने मानी खामी

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा. गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय ने सत्र 2023-24 में शिक्षा संकाय के के तहत इंटीग्रेटेड बीए-बीएड की सेकेंड ईयर और थर्ड ईयर के पूर्व में हुए तीन पेपर को निरस्त कर दिया है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. मनोज पंड्या ने बताया कि पिछले दिनों कुछ कक्षाओं में सम्मिलित हुए विद्यार्थियों ने पेपर में प्रश्न सिलेबस से बाहर आने की बात कही थी। इसके बाद विशेषज्ञों ने जांच की तो खामियां सामने आई थी। ऐसे में तीन पेपर को निरस्त कर उन पेपर्स को नए सिरे से आयोजित कराने की अनुशंसा जांच कमेटी ने की है। पूरे प्रकरण में पंड्या ने बताया कि पूर्व में आयोजित इंटीग्रेटेड बीए बीएड सेकेंड ईयर के हिंदी साहित्य के सेकेंड पेपर और बीए बीएड थर्ड ईयर के अर्थशास्त्र प्रथम और द्वितीय प्रश्न-पत्र को निरस्त कर दिया गया है। इसका संशोधित टाइम टेबल जारी कर दिया है। सेकेंड ईयर हिंदी सेकेंड का पेपर अब 27 जुलाई को दोपहर 2 बजे और थर्ड ईयर के अर्थशास्त्र फर्स्ट का पेपर 27 जुलाई को सेकेंड पेपर 29 जुलाई को सुबह 9 बजे आयोजित होगा। विद्यार्थियों को निर्देश दिया है कि एग्जाम सेंटर में कोई बदलाव नहीं किया है। विद्यार्थी अपने पूर्व के एडमिट कार्ड आधार पर ही संशोधित टाइम टेबल अनुसार एग्जाम देंगे। अन्य प्रश्न पत्रों पर प्राप्त परिवेदनाओं पर विषय विशेषज्ञों की अनुशंसा अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। सभी प्राचार्यों को निर्देशित किया गया है कि संबंधित विद्यार्थियों को विधिवत सूचित करें।

24 न्यूज अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।